शनिवार
26 मार्च 2022

पृष्ठ 4

आपकी सेहत पर चॉकलेट का क्या असर होता है?

पृष्ठ 5

पृथ्वीराज की रिलीज को लेकर काफी उत्साहित है मानुषी

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 58
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जिस प्रकार थोड़ीसी वायु से आग भड़क उठती है, उसी प्रकार थोड़ीसी मेहनत से किस्मत चमक उठती है।

– अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

रितु खंडूरी ने संभाला स्पीकर का पदभार

विशेष संवाददाता

देहरादून। रितु खंडूरी उत्तराखंड की पहली महिला स्पीकर बन गई है। उनके निर्वाचन की घोषणा आज विधानसभा भवन में प्रोटेम स्पीकर बंशीधर भगत द्वारा की गई रितु खंडूरी को निर्विरोध विधानसभा अध्यक्ष चुना गया है। इस पद के लिए अन्य किसी भी प्रत्याशी द्वारा नामांकन पत्र नहीं भरा गया था।

कल नामांकन पत्र भरने की समय सीमा समाप्त होते ही रितु खंडूरी का निर्विरोध विधानसभा अध्यक्ष चुना जाना तय हो गया था। सिर्फ उनके नाम की औपचारिक तौर पर घोषणा किया जाना ही शेष था। रितु खंडूरी राज्य की पहली महिला स्पीकर है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उनको राज्य की पहली महिला

❑राज्य की पहली महिला स्पीकर बनकर रचा इतिहास

स्पीकर बनने का जो गौरव प्राप्त हुआ है वह उनकी नहीं प्रदेश की सभी महिलाओं के लिए गौरव की बात है। यह महिलाओं की बड़ी जीत है उन्होंने भाजपा के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने उन पर जो भरोसा जताया वह इसके लिए उनकी आभारी हैं तथा अपने कर्तव्य का पालन पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ करेगी।

उल्लेखनीय है कि पूर्व स्पीकर प्रेमचंद अग्रवाल को मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने के बाद यह साफ हो गया था कि विधानसभा अध्यक्ष की कुर्सी पर उन्हें ही बैठाया जाएगा। विधायकों के शपथ ग्रहण के समय स्वयं सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उनका नामांकन पत्र अपनी मौजूदगी में भरवाया था। रितु खंडूरी कोटद्वार से चुनाव जीतकर विधायक बनी है। वह दूसरी बार चुनाव जीती है। रितु खंडूरी पूर्व सीएम भुवन चंद्र खंडूरी की बेटी है। उनके स्पीकर चुने जाने पर मुख्यमंत्री ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक दिन है। स्पीकर पद पर उनका चयन महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है। पदभार ग्रहण करने के बाद रितु खंडूरी ने विधायकों को संबोधित करते हुए कहा कि वह निष्पक्ष भाव से संवैधानिक मर्यादाओं के तहत अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगी। और अपनी पूरी योग्यता और क्षमता से अपने कार्य को करने का प्रयास करेंगी।

राष्ट्रपति दो दिवसीय दौरे पर दून पहुंचे

विशेष संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद अपने दो दिवसीय दौरे पर आज देहरादून पहुंच चुके हैं। आज रात राष्ट्रपति राजधानी में ही रात्रि विश्राम करेंगे। कल उनका हरिद्वार जाने का कार्यक्रम है जहां वह दिव्य प्रेम सेवा मिशन के रजत जयंती कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

राष्ट्रपति आज अपने तय कार्यक्रम के अनुसार दोपहर बाद जौली ग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे जहां से वह सीधे राजभवन पहुंचे। राष्ट्रपति आज रात यही रात्रि विश्राम करेंगे। आज शाम वह मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उनके मंत्रिमंडल सहयोगियों के साथ डिनर करेंगे। राष्ट्रपति का कल देहरादून से हरिद्वार जाने का कार्यक्रम है जहां वह दिव्य प्रेम सेवा मिशन के रजत जयंती समारोह पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। उल्लेखनीय है कि दिव्य प्रेम सेवा आश्रम पिछले बीस वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा का असाधारण कार्य कर रहे हैं। राष्ट्रपति के दून और हरिद्वार के इस दो दिवसीय दौरे के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं।

योगी सरकार ने अगले 3 महीने के लिये बढ़ाया मुफ्त राशन योजना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने शनिवार को अपने मंत्रिमंडल की पहली बैठक में गरीब कल्याण योजना के तहत मुफ्त राशन वितरित करने की योजना की अवधि को तीन महीने के लिये बढ़ा दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में यहां लोकभवन में हुयी मंत्रिमंडल की पहली बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गयी।

बैठक के बाद योगी ने संवाददाताओं को बताया कि कोरोना कालखंड में महामारी के दौरान भुखमरी से गरीब जनता को बचाने के लिये केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री अन्न योजना के तहत उत्तर प्रदेश की पिछली सरकार ने मुफ्त राशन देने की योजना शुरु की थी। इसकी अवधि ३१ मार्च को पूरी हो रही थी। उन्होंने बताया कि सरकार ने अब इस योजना को जारी रखते हुए इसकी अवधि को जून तक के लिये बढ़ाने का निर्णय किया है। योगी ने कहा कि लाभार्थी परिवार को दाल, रिफांइड तेल और नमक देने की इस योजना से १५ करोड़ लोगों को लाभ मिलेगा।

बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने संवाददाताओं को बताया कि यह सरकार का पहला और सबसे महत्वपूर्ण फैसला है। इसमें उप्र की १५ करोड़ जनता के लिये जिसमें ३२७० करोड़ रुपये खर्च करके प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से निशुल्क राशन वितरण किया जा रहा था, उसे आगे भी जारी रखा जायेगा।

देश में 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 1,660 नये मामले दर्ज हुये

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के मामलों की रफ्तार लगातार धीमी होने के बीच पिछले २४ घंटे में इसकी चपेट में आकर ४,१०० मरीजों ने दम तोड़ा है। इसी के साथ अब कुल मरने वालों का आंकड़ा पांच लाख २० हजार ८५५ तक पहुंच गया है। यह संख्या पिछले कुछ दिनों से १०० से कम थी।

इस दौरान, कोरोना संक्रमण के १,६६० नये मामले दर्ज हुये हैं और इसी के साथ कुल मामलों की संख्या चार करोड़ ३० लाख १८ हजार ०३२ तक पहुंच गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले २४ घंटों में २,३४६ मरीजों के संक्रमणमुक्त होने के बाद इस महामारी से स्वस्थ होने वालों की कुल संख्या बढ़कर चार करोड़ २४ लाख ८० हजार ४३६ हो

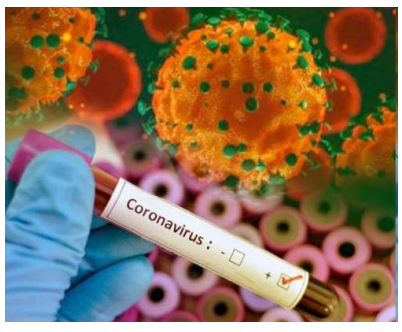

गई है। इसी अवधि में सक्रिय मामलों की संख्या ४,७८६ घटकर १६,७४१ रह गई है।

उल्लेखनीय है कि देश में कोरोना मृत्यु दर १.२१ प्रतिशत, रिकवरी दर ६८.७५ प्रतिशत और सक्रमण दर ०.०४ प्रतिशत है। केरल में पिछले २४ घंटे में सक्रिय मामलों में ४१० की कमी आने के बाद इनकी संख्या घटकर ५,२१६ रह गई। वहीं, ८७२ लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या ६४,५७,३०० हो गई है, जबकि मृतकों का आंकड़ा ६७,६३१ हो गया है।

महाराष्ट्र में इस दौरान सक्रिय मामलों में सबसे अधिक ४,०७८ की कमी आने के बाद ये अब ८६२ रह गए हैं। इस दौरान राज्य में ३४६ लोगों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की संख्या बढ़कर ७७,२४,५६० हो गई है। राज्य में मृतकों का आंकड़ा १,४३,७७६ हो गया है।

कर्नाटक में सक्रिय मामलों की संख्या १८३४ पर बराकरार है। इस दौरान ८५ मरीजों के ठीक होने से इस महामारी से निजात पाने वालों की कुल संख्या बढ़कर ३६,०३,२८६ हो गई है। वहीं राज्य में चार और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर ४०,०४८ पर पहुंच गया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

विचार की कभी हार नहीं होती

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत 2022 के विधानसभा चुनाव में मिली हार को लेकर अत्यंत ही व्यथित है उन्होंने अपने एक ट्वीट के जरिए अपनी अंतर वेदना को व्यक्त करते हुए लिखा है कि उनका मन करता है कि गंगा किनारे किसी कुटिया में रहकर भगवान से अपनी गलतियों के लिए क्षमा मांगू। उनकी सोच है कि जिस उत्तराखंडियत का कवच उन्होंने बनाया था उसे भाजपा भी भेद नहीं पाई और प्रधानमंत्री मोदी को उत्तराखंडी टोपी पहनने पर मजबूर होना पड़ा। लेकिन लाल कुआं में मुझे लोगों ने बुरी तरह हरा दिया ऐसा प्रतीत हुआ जैसे हर बूथ उन्हें दंडित करने का इंतजार कर रहा था। हरीश रावत कहते हैं कि जीत-हार होती रहती है लेकिन विचार की हार नहीं होनी चाहिए। हरीश रावत ने इस ट्यूट में जो कुछ कहा है वह उनकी अंतरव्यथा ही है लेकिन यह पूरा सच नहीं है। महात्मा गांधी ने जिस सत्य और अहिंसा के विचार के साथ अंग्रेजी हुकूमत से लड़ाई लड़ी उनके सत्याग्रह की हार नहीं हुई उनके विचार आज भी जिंदा है और विश्व राष्ट्रों में आज भी उसका डंका बजता है। हरीश रावत सिर्फ एक व्यक्ति विशेष नहीं वह खुद को समूची कांग्रेस मानते हैं जिस तरह से विचार कभी मरता नहीं है और उनकी कभी भी हार भी नहीं होती ठीक वैसे ही इस चुनाव में उत्तराखंडियत की हार भी नहीं हुई है यह हार केवल और केवल हरीश रावत और कांग्रेस की हार हुई है। जिसके लिए वह स्वयं और कांग्रेस जिम्मेवार हैं। कोई व्यक्ति अगर अपनी गलतियों के लिए दूसरे विकल्पों को जिम्मेवार ठहराये तो वह उसके प्रायश्चित का अवसर भी खो देता है। प्रायश्चित के लिए भी सबसे पहले यह जरूरी होता है कि व्यक्ति अपनी गलती की जिम्मेवारी लेने का साहस दिखाएं। इसलिए हरीश रावत को गंगा के किनारे जाकर कुटिया में रहने का भी कोई फायदा नहीं होने वाला है। विचार आदमी की सबसे बड़ी पूंजी कहे जाते हैं मन जब तक चंगा नहीं होता है तब तक गंगा में गोते लगाकर कुछ नहीं होता है। कांग्रेस और हरीश रावत को इस हार की खुले मन के साथ समीक्षा करने की जरूरत है। लगातार की असफलताएं कई बार निरर्थक सोच को जन्म देती है। कभी-कभी स्वार्थवस अच्छी सोच के परिणाम भी अच्छे नहीं आते हैं। कांग्रेस के पास एक से बड़े एक नेता अभी भी मौजूद है कांग्रेस की नीति व नीतिकार सब मिलकर भी अगर कांग्रेस को एक कदम भी आगे नहीं बढ़ा पा रहे हैं तो कुछ न कुछ तो ऐसा होगा ही जो कांग्रेस को पीछे और पीछे धकेलता जा रहा है। कांग्रेस अभी भी आपसी गुटबाजी और मैं-मेरी की लड़ाई में उलझी हुई है और स्वयं को खुद ही कमजोर कर रही है युवा नेतृत्व को आगे बढ़ने के मौके नहीं दिए जा रहे हैं जिसके कारण वह पार्टी छोड़ कर भाग रहे हैं। पुराने चेहरों का आकर्षण क्षीण होता जा रहा है ऐसी स्थिति में कांग्रेस व उसके नेताओं का क्या भविष्य 10 साल बाद होगा? यह सोचने को कोई तैयार नहीं। विचार भी तभी प्रभावकारी सिद्ध होता है जब व्यक्ति प्रभावशाली होता है।

ट्रेड यूनियन की हडताल को किसान सभा का समर्थन

संवाददाता

देहरादून। 28 व 29 मार्च को होने वाली ट्रेड यूनियन की हडताल को किसान सभा ने भी अपना समर्थन दिया। आज यहां डोईवाला में किसान सभा को मजबूत करने और सदस्यता अभियान को गति देने को लेकर अखिल भारतीय किसान सभा जिलाध्यक्ष दलजीत सिंह की अध्यक्षता और जिला सचिव कमरूद्दीन के संचालन में किसान सभा जिला कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक किसान भवन गन्ना सोसायटी में समपन्न हुई। जिसमे किसान सभा प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह सजवाण , प्रदेश महामंत्री गंगाधर नौटियाल व प्रदेश कोषाध्यक्ष शिव प्रसाद देवली के अलावा सचिव मंडल के साथी राजेन्द्र पुरोहित विशेष रूप से शामिल हुए ।

बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष दलजीत सिंह ने बताया कि आज की बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और किसानों व जनता से जुड़े हुए सवालों को उठाते हुए उन पर आंदोलन करना है । उन्होंने कहा कि जब तक संगठन को प्रत्येक गांव मे कमेटी नही बनती तब तक एक मजबूत संगठन को खड़ा नही कर सकते । इसके लिए उपस्थित सभी किसान सभा कार्यकर्ताओं ने अपने अपने गांव स्तर पर सदस्यता अभियान चलाते हुए सदस्यता करने का कोटा भी लिया और ग्राम कमेटियों का गठन करते हुए 16 मई 2022 को डोईवाला मण्डल का सम्मेलन करने का फैसला लिया गया । ताकि नई कार्यकारिणी का गठन करके संगठन की गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाया जा सके। बैठक को किसान सभा प्रदेश अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह सजवाण और प्रदेश महामंत्री गंगाधर नौटियाल ने उपस्थित साथियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि 28 वे 29 मार्च को सरकार की मजदूर व किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ ट्रेड यूनियन की हड़ताल को देखते हुए किसान सभा ने फैसला लिया है कि किसान सभा के सभी साथी ट्रेड यूनियन द्वारा की जाने वाली हड़ताल का समर्थन करते हुए उसमे प्रतिभाग करेंगे । बैठक में जिला सचिव कमरुद्दीन, शिव प्रसाद देवली, जाहिद अंजुम, राजेंद्र पुरोहित, और पुरुषोत्तम बडोनी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए संगठन को मजबूत करने पर बल दिया। बैठक में पूरण सिंह,जीत सिंह, जगजेत सिंह, करेष्ठान सिंह, सरजीत सिंह,फूल सिंह, मुहम्मद हनीफ, अनूप पाल , बलविंदर सिंह,आदि उपस्थित हुए।

मुख्य सचिव ने की विकास योजनाओं की समीक्षा

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। मुख्य सचिव डॉ.एस. एस. संधु ने आज जनपद उत्तरकाशी के विकास खण्ड भटवाड़ी के ग्राम रैथल एवं हर्षिल का स्थलीय निरीक्षण कर जनपद में पर्यटन विकास संबधी कार्यों का जायजा लिया। वहीं उन्होंने जिलाधिकारी मयूर दीक्षित व अन्य अधिकारियों के साथ ग्राम रैथल में बैठक आयोजित कर विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने जिलाधिकारी को निर्देश दिये कि जनपद में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने की सम्भावना को देखते हुए होमस्टे योजना को बढ़ावा दिया जाय। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा जनपद में सीवर लाइन नहीं होने की समस्या से अवगत कराये जाने पर मुख्य सचिव ने निर्देश दिये कि सीवर समस्या के निदान हेतु वाटर ग्रेविटी के हिसाब से फेजिज बनाये जायें। जिस हेतु धनराशि उपलब्ध करा दी जायेगी। मुख्य सचिव द्वारा विकास खण्ड भटवाड़ी के ग्राम जादुंग एवं नेलांग के विस्थापितों को उनके इन्हीं मूल ग्रामों में बसाये जाने को लेकर की जा रही कार्रवाई की जानकारी जिलाधिकारी से ली गयी। जिस पर जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि विस्थापित ग्रामीणों एवं सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर आगामी 28 एवं 29 मार्च को ग्राम जादुंग के संयुक्त सर्वे का निर्णय लिया गया है जबकि ग्राम नेलांग का सर्वे माह अप्रैल में किया जाएगा। मुख्य सचिव द्वारा चारधाम यात्रा मार्ग गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी जिलाधिकारी से ली गई। मुख्य सचिव ने कृषि विकास योजनाओं की प्रगति की जानकारी के दौरान जिलाधिकारी को निर्देश दिये कि जनपद में फूड प्रोसेसिंग की छोटी-छोटी यूनिट स्थापना की शुरुआत की जाए, ताकि फल सब्जियों आदि को सड़ने से बचाया जा सके तथा आपूर्ति व्यवस्था को उचित बनाया रखा जा सके। मुख्य सचिव द्वारा चार धाम यात्रा की तैयारियों के बारे में भी जिलाधिकारी से जानकारी ली गयी। जिस पर जिलाधिकारी ने बताया कि चारधाम यात्रा की सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है।

मुख्य सचिव द्वारा ग्राम रैथल में स्थित 500 वर्ष पुराने ऐतिहासिक पंचपुरा भवन, मां जगदम्बा मन्दिर, ग्रोथ सेंटर एवं पृथ्वी राज राणा के होमस्टे का भी स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान मुख्य सचिव ने जिलाधिकारी को पंचपुरा भवन के सौन्दर्यीकरण हेतु कार्य योजना बनाने के निर्देश दिये। मुख्य सचिव द्वारा ग्राम रैथल एवं नटीण के ग्रामीणों की समस्याओं को सुना गया तथा सम्बन्धित अधिकारियों को समस्याओं के निरस्तारण के निर्देश दिये गये।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार, पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार राय, अपर जिलाधिकारी तीर्थपाल सिंह, उप जिलाधिकारी मीनाक्षी पटवाल, जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे, आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल, ग्राम प्रधान रैथल सुशीला राणा सहित अन्य लोग व अधिकारी मौजूद थे।

बृहद्भिरग्ने अर्चिभिः शुक्रेण देव शोचिषा।
भरद्वाजे समिधानो यविष्ठ्य रेवन्नः शुक्र दीदिहि द्युमत्पावक दीदिहि।।

(ऋग्वेद ६-४८-७)

जो दानवीर मनुष्य दूसरों के हित के लिए धन का व्यय करते हैं। वो अग्नि की तरह चमकते हैं। जो विद्वान दूसरों की प्रगति के लिए अनुसंधान के कार्य करते हैं। उनके गुण उज्जवल होते हैं जो अन्य मनुष्यों को भी सूर्य की तरह प्रकाशित करते हैं। उनका हमें सम्मान करना चाहिए।

People who are charitable and spend their money for the benefit of others.They shine like Agni (Fire). Scholars who do research work for the progress of others. Their virtues shine, which illuminates other human beings like the sun. We should pay respect to such scholars. (Rig Veda 6-48-7)

गुजरात के युवक का छह दिन बाद शव बरामद

देहरादून (हमारे संवाददाता)। 6 दिन से लापता गुजरात के एक युवक का शव एसडीआरएफ ने आज चीला बैराज के पास से बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार आज सुबह एसडीआरएफ टीम को सूचना मिली कि ऋषिकेश पशुलोक बैराज के पास एक शव दिखाई दे रहा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसडीआरएफ पोस्ट ढालवाला डीप डाइविंग टीम मय आवश्यक उपकरणों के तत्काल मौके पर रवाना हुई। एसडीआरएफ टीम द्वारा घटनास्थल पर पहुंचने के उपरांत उक्त शव की सर्चिंग की गई व शव दिखाई देने पर शव को बरामद कर जिला पुलिस के सुपुर्द किया गया। एसडीआरएफ टीम प्रभारी उप निरीक्षक कवीन्द्र सजवाण द्वारा बताया गया कि उक्त शव पूर्व में लक्ष्मण झूला के पास नहाते समय डूबे हुए व्यक्ति, नाम मनीष पुत्र जयंती निवासी सूरत गुजरात का है। जो विगत 6 दिनों से लापता था।

एपी अंशुमान बने इंटेलिजेंस के मुखिया

देहरादून (हमारे संवाददाता)। आईजी एपी अंशुमान को महानिरीक्षक अभिसूचना व सुरक्षा के पद पर तैनात किया गया। आज यहां वर्ष 1998 बेज के आईपीएस एपी अंशुमान जोकि पूर्व में महानिरीक्षक कार्मिक व मुख्यालय का कार्यभार सम्भाल रहे थे। आईजी संजय गुंज्याल के प्रतिनियुक्ति पर बीएसएफ में चले जाने के बाद इंटेलिजेंस के मुख्या का पद रिक्त हो गया था। आज यहां प्रमुख सचिव रमेश कुमार सुधांशु ने आदेश जारी करते हुए एपी अंशुमान को महानिरीक्षक अभिसूचना व सुरक्षा के पद पर तत्काल प्रभाव से स्थानान्तरित कर उनको तत्काल प्रभाव से अपना पद ग्रहण कर प्रमाणक की प्रति पुलिस महानिदेशक के माध्यम से शासन को उपलब्ध कराने को कहा है।

जमीन के नाम पर लाखों की धोखाधडी, एक नामजद

देहरादून (हमारे संवाददाता)। जमीन के नाम पर फर्जीवाडा कर लाखों रूपये की धोखाधडी में पुलिस ने एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिनौला रायपुर निवासी राजेन्द्र सिंह चौहान ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान नींबूवाला निकट शिव मन्दिर गढी कैण्ट निवासी रामनरेश नौटियाल से हुई। उसने बताया कि रामनेरश ने उसको झाझरा में एक जमीन दिखायी तथा उसको अपना बताते हुए उसके साथ फर्जी विक्रय पत्र सम्पदित किया तथा उससे आठ लाख 77 हजार रूपये ले लिये। जिसके कुछ दिन बाद उसको पता चला कि उक्त सम्पत्ति रामरनेश की नहीं है तो उसने रामनरेश से अपने रूपये वापस मांगे तो उसने उसके साथ गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने रेस्टोरेंट शराब बरामद कर रेस्टोरेंट संचालक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला पुलिस को सूचना मिली कि छिद्दरवाला में एक रेस्टोरेंट संचालक द्वारा अवैध रूप से ग्राहकों को शराब बेची जा रही है। जिसके बाद पुलिस ने वहां पर छापा मारा तो रेस्टोरेंट से 85 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम भूपेन्द्र सिंह रावत निवासी हाथीबडकला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दो बाईकों की टक्कर में एक घायल

संवाददाता

देहरादून। दो बाईकों की आपस में भिडंत मे एक युवक घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार मांडुवाला निवासी जमयांग छोम्फेल अपनी मोटरसाईकिल से भाऊवाला की तरफ जा रहा था जा रहा था जब वह नौगांव पीपल चौक पर पहुंचा तभी सामने से आ रही दूसरी बाईक सवार ने तेजी से उसकी मोटरसाईकिल पर टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसको स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। घायल के मित्र संदेश कुमार ने दूसरे मोटरसाईकिल सवार स्नेहाशु कुमार के खिलाफ प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज करा दिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दुकान के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार धूलकोट निवासी सतेन्द्र ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी जमनपुर में दुकान है। उसने अपनी मोटरसाईकिल अपनी दुकान के बाहर खडी की थी। लेकिन जब कुछ देर बाद वह बाहर आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्वास्थ्य निदेशक ने किया जिला चिकित्सालय का निरीक्षण

बागेश्वर (आरएनएस)। कुमाऊं की स्वास्थ्य निदेशक तारा आर्या ने शुक्रवार को बागेश्वर जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मातहतों को बाहर से रक्त आदि की जांच कराने और दवाइयां लिखने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अपर निदेशक डॉ. आर्या शुक्रवार को जिला चिकित्सालय पहुंची, यहां उन्होंने मरीजों का हाल–चाल जाना तथा वार्डों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय को सुविधायुक्त बनाने के लिए विभाग प्रयासरत है। उन्होंने जिला चिकित्सालय में लगे दोनों ऑक्सीजन प्लांट का निरीक्षण किया। इसके बाद ब्लड बैंक में जाकर वहां की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने जिला चिकित्सालय की भूमि पर हो रहे अतिक्रमण पर चिंता व्यक्त करते हुए इसे हटाने के लिए प्रशासन और पालिका से वार्ता करने को कहा। उन्होंने जिला चिकित्सालय में चल रही लैब के क्रियाकलापों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि किसी भी मरीज से बाहर से दवाइयां न लिखी जाए। उन्होंने चिकित्सालय में बाहर से दवाइयां व रक्त परीक्षण कराने वालों पर कार्रवाई करने को कहा। इस दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुनीता टम्टा, प्रमुख चिकित्साधीक्षक डॉ. विनोद टम्टा समेत अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. हरीश पोखरिया आदि उपस्थित थे। इसके बाद उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय का भी निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सीएमओ टम्टा ने उन्हें जनपद की स्वास्थ्य व्यवस्था की जानकारी दी।

नगर पंचायत ने पकड़ी 15 किलो पॉलीथिन

बागेश्वर (आरएनएस)। नगर पालिका बागेश्वर के बाद अब कपकोट नगर पंचायत ने पॉलीथिन के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। पुलिस फोर्स के साथ उन्होंने विभिन्न बाजारों में छापेमारी की। दुकानदारों के पास से १५ किलो पॉलीथिन जब्त की। साथ ही दो हजार का जुर्माना भी वसूला। अभियान के बाद उन व्यापारियों में हड़कंप है जो चोरी छिपे पॉलीथिन का धंधा करते हैं। मालूम हो कि गत दिनों डीएम ने नगर पंचायत, जिला पंचायत व सड़क महकमों की बैठक ली थी। तब अधिकारियों को पॉलीथिन के खिलाफ अभियान चलाने के निर्देश दिए थे। डीएम के निर्देश के बाद नगर पालिका बागेश्वर ने पहले अभियान चलाया। शुक्रवार को नगर पंचायत कपकोट ने भराड़ी, कपकोट, पुल बाजार के अलावा ब्लॉक मुख्यालय में अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने १५ किलो पॉलीथिन जब्त की। जिन व्यापारियों के पास पॉलीथिन मिली उनसे दो हजार रुपये का हर्जाना भी वसूला गया। ईओ नवीन कुमार ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। किसी को भी प्रतिबंधित पॉलीथिन बेचने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस मौके पर उनके साथ एसआई विवेक चंद्र, पुलिसकर्मी अमजद खान, नगर पंचायत के कर्मचारी सनी शर्मा, रविंद्र मेहता, सुरेश छोटेलाल आदि मौजूद थे।

पुलिस अधिकारियों का मैदान प्रेम

संवाददाता

देहरादून। पुलिस विभाग के दरोगा व निरीक्षक पद के अधिकारी प्रदेश के तीन जिलों के अलावा पहाडी जनपदों में तैनाती के लिए तैयार ही नहीं होते हैं और अधिकारियों में इतना दम नहीं दिखायी देता कि वह उनको पहाड पर चढा दें।

उल्लेखनीय है कि उत्तराखण्ड राज्य का गठन पहाडी जनपदों के विकास के लिए हुआ था तथा यहां पर शांति व्यवस्था कायम रहे यह भी एक कारण रहा है। लेकिन देखने को मिलता है कि प्रदेश में पुलिस विभाग के अधिकारी इस बात को समझने को ही तैयार नहीं है? पुलिस विभाग में यह चर्चा आम हो गयी है कि कोई भी पहाड चढने को क्यों तैयार नही होता? जबकि वहां पर काम भी कम है अधिकांश जगहों पर तो राजस्व पुलिस का दबदबा है सिविल पुलिस का कोई काम ही नहीं दिखायी देता तो दूसरी ओर पहाडों में शाम ढलते ही लोग घरों में चले जाते हैं रात्रि गश्त भी नाम मात्र ही होती है। इसके बावजूद भी पहाडों पर तैनाती के नाम पर रोने लगते हैं। अगर किसी तरह उच्च अधिकारियों ने किसी का तबादला पहाडी जनपद में कर दिया तो कुछ दिन बाद ही वह मैदान में दिखायी देता है।

कोई अपनी सम्बद्धता रेंज कार्यालय में करा लेता है तो किसी को विजिलेंस पसंद आ जाती है। यहीं नहीं अगर इनकी मानें तो पुलिस का काम सिर्फ देहरादून, हरिद्वार व ऊधमसिंह नगर मे ही दिखायी देता है क्या? अन्य जनपदों में पुलिस का कोई काम नहीं है? जिसको देखो वह सीबीसीआईडी, विजिलेंस, एसटीएफ या फिर रेंज कार्यालय में ही दिखायी देता है। एसटीएफ का तो यह हाल है कि जिस दरोगा, सिपाही, निरीक्षक के बारे में पूछो तो वह एसटीएफ में अपनी तैनाती बता देता है। ऐसा कितना काम एसटीएफ के पास है कि वह सभी को अपने में समाय है? यह भी एक प्रश्न बन जाता है कि एसटीएफ, वि जिलेंस व सीबीसीआईडी में इतना कितना काम होता है कि हर किसी को यही इकाईयां दिखायी देती है। सिविल पुलिस मे तैनाती हो तो वह सिर्फ तीन जिलों में ही हो नहीं तो इन इकाईयों में पडे रहेंगे लेकिन पहाड नहीं जायेंगे। पुलिस विभाग के दरोगाओं व निरीक्षकों का यह हाल हो गया है कि मलाईदार पोस्टिंग चाहे ना मिले लेकिन पहाड पर चढने को तैयार नहीं होते। अगर कोई चला भी गया तो वह जल्द ही दूरस्थ पहाडी क्षेत्रों से अपना दबादला टिहरी व पौडी जनपदों में कराकर इन जनपदों के मैदानी क्षेत्र जैसे की कोटद्वार, मुनि की रेती, नरेन्द्र नगर आदि ऐसी जगहों पर कराने के फिराक में रहता है जिससे कि वह दून व हरिद्वार आ जा सके तथा अपने परिवार के सम्पर्क में रहे। एक कारण शायद यह भी है कि सभी के परिवार दून या फिर हरिद्वार में है इसलिए भी इनको इन जनपदों से अधिक मोह होता है? लेकिन यह पुलिस विभाग के लिए चिन्ता का विषय है और अधिकारियों को इसपर मंथन करना होगा और पहाडों पर तैनाती के लिए सख्त कदम उठाने होंगे तथा सम्बद्धता व अन्य इकाईयों में जाने के भी मापदण्ड तय करने होगे?

28-29 को विभिन्न यूनियन करेंगी हड़ताल

हल्द्वानी (आरएनएस)। २८ और २९ मार्च को अखिल भारतीय आम हड़ताल के समर्थन में शुक्रवार को विभिन्न यूनियनों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि देश की संपत्तियों के निजीकरण, महंगाई आदि के खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा। हल्द्वानी में बुद्ध पार्क में धरना दिया जाएगा।बैठक में वक्ताओं ने कहा कि २८–२९ मार्च की राष्ट्रीय हड़ताल में बढ़ती बेरोजगारी, छंटनी पर रोक लगाने, श्रम कोड कानून रद्द करने, आशा समेत सभी स्कीम वर्कर्स को नियमित करते, न्यूनतम वेतन, पुराने पेंशन लागू करने सहित अन्य मांगों को उठाया जाएगा। वक्ताओं ने देश की संपत्ति बचाने के लिए आम जनमानस से भी हड़ताल का समर्थन करने की अपील की है। बैठक में ऐक्टू, बीमा कर्मचारी संघ, बैंक यूनियन एआईबीओए, उत्तराखंड आशा हेल्थ वर्कर्स यूनियन आदि के प्रतिनिधि मौजूद रहे। जिनमें मुख्य रूप से केके बोरा, डीके पांडे, गौरव गोयल, डॉ कैलाश, बीपी उपाध्याय, शोभित बाजपेई, पंकज त्रिपाठी आदि शामिल रहे।

धारावाहिक क्राईम अलर्ट उत्तराखंड रिलीज

हल्द्वानी (आरएनएस)। शिव शांती फिल्म कंबाइंस बैनर तले उत्तराखंड में हुए अपराधों पर आधारित काल्पनिक और सत्य रुपान्तर धारावाहिक क्राईम अलर्ट उत्तराखंड रिलीज हो चुका है। रिलिजिंग कार्यक्रम रेलवे बाजार स्थित एक निजी शोरूम में किया गया। धारावाहिक की रिलीजिंग मुख्य अतिथि क्राईम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट के संयुक्त निदेशक डॉ दयाल शरण, निर्माता प्रेरणा गुप्ता व सरस्वती मेमोरियल ट्रस्ट की अध्यक्ष रेनु शरण ने किया। इस दौरान बताया कि यह धारावाहिक मनोरंजन के साथ साथ अपराध के प्रति जागरूक व सजग रहने के लिए है। कार्यक्रम में अमित जैन, मोहित जैन, शोभित जैन, प्रोडक्शन मैनेजर शैलेन्द्र गुप्ता, कलाकार घनश्याम भट्ट, सोनी अनीष ऐरी, विक्रम सिंह, दीपक थामा, शम्भू दत्त, साहिल, सुप्रित कौर आदि मौजूद रहे।

डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन शुल्क वसूलने पर भड़के पार्षद

कोटद्वार (आरएनएस)। नगर निगम में शामिल की गई ग्राम सभाओं से डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन शुल्क वसूलने का कई पार्षदों द्वारा विरोध किया गया है। उन्होंने नगर आयुक्त किशन सिंह नेगी को ज्ञापन सौंपकर इस फैसले पर तुरंत रोक लगाए जाने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि नगर निगम में ३५ ग्राम पंचायतों का विलय करते समय प्रदेश सरकार द्वारा उन क्षेत्रों से दस वर्षों से तक किसी भी प्रकार का टैक्स नहीं वसूलने की घोषणा की गई थी, लेकिन अब लोगों से डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन शुल्क के नाम पर तीस रूपए वसूले जा रहे हैं। यह तो सरासर अन्याय है। कहा कि पूर्व में पार्षदों द्वारा इसका कड़ा विरोध किया गया था, तब निगम प्रशासन द्वारा इस फैसले को वापस ले लिया गया था। वर्तमान में भी पार्षद इसका विरोध कर रहे हैं। उन्होंने नगर आयुक्त से इस संबंध में प्रदेश सरकार को पत्र भेजने तथा नगर निगम की बोर्ड बैठक में इस विषय पर चर्चा करने के बाद ही निर्णय लिए जाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में पार्षद सूरज प्रसाद कांति, अमित नेगी, विजेता, प्रवेंद्र सिंह रावत एवं बीना नेगी शामिल रहे।

एससी आयोग ने लिया मासूम की मौत का संज्ञान

बागेश्वर (आरएनएस)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कांडा में प्रसव के दौरान नवजात शिशु के मामले में राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने गंभीरता से लिया है। इस मामले में आयोग ने सीएमओ को पत्र लिखकर स्पष्टिकरण मांगा है। समय सीमा के अंतर्गत स्पष्टिकरण नहीं देने पर व्यक्तिगत रूप से आयोग के सामने उपस्थित होना पड़ेगा। वरना आयोग की अवहेलना मानी जाएगी।

मालूम हो कि कांडा के कांडे कन्याल निवासी ललित प्रसाद का आरोप है कि २१ फरवरी को उसकी पत्नी को प्रसव पीड़ा हुई तो उसने १०८ पर फोन किया परंतु यह सेवा नहीं मिल पाई जिस पर वह पत्नी को लेकर कांडा चिकित्सालय ले गया, जहां कोई चिकित्सक व अन्य कर्मचारी ड्यूटी पर नहीं थे जिस पर उन्होंने चिकित्सालय लिस्ट पर उपलब्ध नंबर पर फोन किया तो उसके आधे घंटे बाद वहां स्वास्थ्य कर्मी पहुंचे तथा उन्होंने बेरहमी से प्रसव कराया। साथ ही नवजात शिशु को बेरहमी से निकाला। कहा कि चिकित्सा कर्मियों की मौजूदगी में उसने बच्चे को गांव से दूध लाकर पिलाया। इसी लापरवाही के चलते उसके मासूम की मौत हो गई। जिस पर ललित प्रसाद ने २४ फरवरी को इसकी शिकायत अनुसूचित जाति आयोग व कुमाउं कमिश्नर नैनीताल समेत अन्य अधिकारियों को की। जिस पर अनुसूचित जाति आयोग ने इसे गंभीरता से लेते हुए सीएमओ से स्पष्टीकरण मांगा है। कहा है कि वे सभी तथ्य के साथ आयोग के समक्ष उपस्थित हों।

स्वास्थ्य विभाग पर लापरवाही के निरंतर आरोप लग रहे हैं। इससे पूर्व पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण ने चिकित्सकों की लापरवाही के चलते कांडा में रात में धरना दिया जिसके बाद पीड़ित को इलाज मिला। कांडा में ललित प्रसाद ने भी लापरवाही का आरोप लगाया। इधर दो दिन पूर्व भी नदीगांव निवासी एक महिला को सुबह के समय जिला चिकित्सालय में इमरजेंसी में कोई चिकित्सक नहीं मिला था, जिससे महिला को निजी क्लीनिक में जाना पड़ा। इसके अलावा कई चिकित्सालयों के चिकित्सालयों में नहीं रहने या फिर लापरवाही आदि आरोप लगते हैं जो कि नई सरकार के लिए चुनौती हैं।

महंगाई बनाम सियासत

भाजपा की कामयाबी का राज़ यह भी है कि उसने महंगाई जैसे सवालों को राजनीति से अलग कर दिया है। उसके समर्थक यह मानते हैं कि अगर देश सही दिशा में है, तो कुछ दिक्कतें उठाई जा सकती हैँ। एक दूसरी राय यह होती है कि महंगाई तो है, लेकिन इसके लिए भारत सरकार जिम्मेदार नहीं है। एक समय था, जब कहा जाता था कि प्याज की दर पर सरकार बदल जाती है। महंगाई हमेशा से न सिर्फ भारत, बल्कि हर लोकतांत्रिक देश में एक प्रमुख राजनीतिक मुद्दा रहती है। यह अपेक्षा सरकार से की जाती है कि वह इसे काबू में रखे और अगर फिर भी महंगाई बढ़ जाए, तो जनता को राहत देने वाले कदम उठाए। लेकिन भारत में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की कामयाबी का एक बड़ा राज़ यह भी है कि उसने महंगाई जैसे सवालों को राजनीति से अलग कर दिया है। उसके समर्थक तबकों का एक हिस्सा यह मानता है कि अगर देश सही दिशा में है, तो कुछ दिक्कतें उठाई जा सकती हैँ। एक दूसरे हिस्से की राय होती है कि महंगाई तो है, लेकिन इसके लिए भारत सरकार जिम्मेदार नहीं है। कुछ तो अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां दोषी हैं, और इसका एक बड़ा कारण 卐पिछली सरकारों ने जो लूटा卐 वह है। तो इस समझ के बीच अनुमान लगाया सकता है कि महंगाई दर बढ़ने के ताजा आंकड़े भी सियासी बहस से दूर रहेंगे। वरना, स्थिति यह है कि बीते फरवरी में खुदरा और थोक भाव- दोनों महंगाई दर में बढ़ोतरी हुई। खुदरा मुद्रास्फीति की दर भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से तय बर्दाश्त सीमा से और ऊपर चली गई है। वह आठ महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर है। यह हाल तब है, जबकि हाल में विधानसभा चुनावों के कारण पेट्रोल-डीजल के दाम में जो बढ़ोतरी रोकी गई थी, वह अब तक जारी है। लेकिन यह दो-चार दिन की बात है। जब ये दाम बढ़ेंगे, तो इस पदार्थों के सीधे उपयोग के साथ-साथ दूसरी चीजों का उपभोग भी महंगा हो जाएगा। जबकि हाल के एक अध्ययन से यह साफ हो चुका है कि भारत में औसत प्रति व्यक्ति आय में गिरावट का दौर जारी है। तो आम जन की अर्थव्यवस्था पर दोहरी मार पड़ रही है। ऐसे में देश की अर्थव्यवस्था में सुधार की कोई संभावना नहीं हो सकती। इसलिए कि घटती आमदनी वाले लोग बाजार में मांग नहीं बढ़ा सकते। उसका चक्रीय असर निवेश और रोजगार की स्थितियों पर पड़ता रहेगा। तो कुल मिला कर यह देश की बदहाली की कहानी है। लेकिन भाजपा आश्वस्त हो सकती है कि यह कथा उसकी बदहाली का कारण नहीं बनेगी। उसकी सरकार क्रोनी पूंजीपतियों के साथ मिल कर अपनी दिशा में बढ़ना जारी रख सकती है।

बहस या महज भड़ास ?

कांग्रेस पुनर्जीवन की गुंजाइश अभी भी बनी हुई है। लेकिन नेतृत्व और विचार के प्रश्नों को अधर में छोड़ कर पुनर्जीवन की शुरुआत नहीं हो सकती। फिर एक और अहम बात यह है कि पुनर्जीवन तब होता है, जब जीने की इच्छा हो। बीते आठ साल से कांग्रेस में इस इच्छा का ही अभाव दिखा है। हाल के पांच राज्यों के चुनाव में दुर्गति के बाद कांग्रेस में एक बहस छिड़ी है। इसमें तीन धाराएं साफ पहचानी जा सकती हैं। अभी भी सबसे बड़ा समूह तो उन्हीं नेताओं का है, जो यथास्थिति में कोई बदलाव नहीं चाहते। तो इसे जारी रखने के लिए उन्होंने चिंतन शिविर की आड़ ली है। बहरहाल, अगर चिंतन शिविर में कांग्रेस सचमुच चिंतन करना चाहती है, तो उसके सामने तय करने के जो दो सबसे अहम प्रश्न खड़े हैं, उन्हें खुद उनके ही दो नेताओं ने उठा दिया है। पहले कपिल सिब्बल ने सार्वजनिक रूप से वैसी बातें कहीं, जैसी दशकों से कांग्रेस में रहते हुए किसी नेता ने नहीं कही थीं। उन्होंने कांग्रेस की बदहाली का सारा दोष पार्टी नेतृत्व पर डाला। उनकी बातों का सार यह है कि गांधी परिवार परिदृश्य से हट जाए और कोई अन्य नेता कमान संभाल लें, भले खुद उसका विचार, निष्ठा और जनाधार संदिग्ध हो। सिब्बल की इस सोच का जवाब सलमान खुर्शीद ने दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की समस्या नेता नहीं, बल्कि विचार है। पार्टी आज किस विचार के लिए खड़ी है, यह खुद पार्टी नेताओं को भी नहीं मालूम नहीं है। पार्टी के अंदर समाजवाद से पूंजीवाद तक और धर्मनिरपेक्षता से सॉफ्ट हिंदुत्व तक की वकालत करने वाले धड़े हैं। तो चिंतन शिविर सार्थक रहेगा, अगर कांग्रेस इसकी पहचान कर सके कि उसकी समस्या नेता की अक्षमताएं हैं या विचार का अभाव।

अगर एक बार बीमारी की पहचान हो जाए, तो फिर इलाज की शुरुआत हो सकती है। ऐतिहासिक और सांदर्भिक दृष्टि से अगर देखा जाए, तो सिब्बल की बातें किसी सोच से ज्यादा मन की भड़ास ज्यादा महसूस होती हैं। जबकि खुर्शीद ने समस्या की रग पर अंगुली रखी है। बहहाल, इस सिलसिले में चुनाव मैनेजर प्रशांत किशोर की यह बात पर भी संभवत: कांग्रेस के लिए महत्त्वपूर्ण है कि भारत में जब तक लोकतंत्र रहेगा, कांग्रेस जैसी पार्टी की प्रासंगिकता बनी रहेगी। यानी कांग्रेस पुनर्जीवन की गुंजाइश अभी भी बनी हुई है। लेकिन नेतृत्व और विचार के प्रश्नों को अधर में छोड़ कर पुनर्जीवन की शुरुआत नहीं हो सकती। फिर एक और अहम बात यह है कि पुनर्जीवन तब होता है, जब जीने की इच्छा हो।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

आपकी सेहत पर चॉकलेट का क्या असर होता है ?

चॉकलेट का नाम जुबान पर आते ही मुंह में पानी और ढेरो चॉकलेट की तस्वीर हमारी आंखों के सामने आ जाती है. उसको खाने की लालसा को रोक पाना बेहद मुश्किल होता है. बच्चे और युवतियों की पहली पसंद होता है चॉकलेट . आजकल त्यौहार भी बिना चॉकलेट के अधूरे होते है दिवाली हो या राखी हर त्यौहार बिना चॉकलेट के फीका सा लगता है . चॉकलेट खाने के कई फायदे हैं जो कि हमारी सेहत के लिये फायदेमंद हैं. और कई ऐसे नुकसान है. जिससे हमें कई बिमारियों का भी सामना करना पड़ सकता है.

तनाव व डिप्रेशन को रखे दूर

जो लोग तनाव में रहते हैं. उनके लिये डार्क चॉकलेट फायदेमंद रहता है. चॉकलेट खाने से हाई ब्लड प्रेशर संतुलित रहता है. कोको में मौजूद एंटीऔक्सीडेंट्स कई स्वास्थ्य समस्याओं में फायदेमंद होते हैं.

सौंदर्य के लिये लाभकारी

चॉकलेट का प्रयोग ब्यूटी प्रोडक्ट्स मे किया जाता है. इसमे मौजूद कोको फ्लैवनौल बढ़ती उम्र के लक्षणों को जल्दी नहीं आने देता है. इससे चेहरे की झुर्रियां खत्म होती है. चॉकलेट खाने से बालों का झड़ना भी कम होता है,सूरज की किरणों के हानिकारक प्रभाव से बचता है, खून की मात्रा बढ़ता है,व रोजाना हौट चॉकलेट के दो कप पीने से वृद्ध लोगों का मानसिक स्वास्थ अच्छा रहता है और उनकी सोचने की क्षमता भी तेज होती है.

दिल के लिये है सेहतमंद

डार्क चॉकलेट में पोटैशियम और कौपर होता है. जो की दिल का दौरा पड़ने जैसे खतरों को कम करता है.इसके सेवन से धमनियां कठोर नहीं होती व रक्तचाप संतुलित रहता है.

दिमाग पर डालती है असर

चॉकलेट खाने से दिमाग की कार्यक्षमता प्रभावित होती है और इसका अधिक सेवन सिर दर्द रहने का कारण भी बनता है.चॉकलेट में एंटीऔक्सीडेंट्स, विटामिन्स, डाएट्री मिनरल्स और फैटी एसिड मौजूद होते हैं. जिस कारण नींद नहीं आती और अनिद्रा की शिकायत होती है. चॉकलेट में मौजूद थियोफाइलिइन के कारण हल्के सिर दर्द और जी मचलने जैसी दिक्कतें भी सामने आ सकती हैं.शरीर मे कैफीन की मात्रा बढ़ती है.

चेहरे पर लगाएं आम के बने ये फेस पैक

गर्मियों के दौरान बाजारों में तरह-तरह के रसीले आम आने लगते हैं, जो न सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि त्वचा के लिए भी लाभदायक हैं। दरअसल, आम विटामिन- ए, विटामिन- सी और कई ऐसे गुणों से समृद्ध होता है, जो त्वचा को कई तरह की समस्याओं से राहत दिलाकर इसे पोषित करने का काम कर सकते हैं।

ओटमील और आम का फेस पैक डेड स्किन से छुटकारा दिलाकर निखार देने में मदद कर सकता है। फेस पैक बनाने और लगाने का तरीका- एक कटोरी में एक आम का गूदा और थोड़ा दूध मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बनाएं, फिर इसमें ओटमील और बादाम का पाउडर मिलाएं। इसके बाद पहले अपने चेहरे को हल्के गर्म पानी से गीला करें, फिर उस पर यह मिश्रण लगाकर हल्के हाथों से मलें। अंत में चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

यह फेस पैक समय से पहले उभरने वाले बढ़ती उम्र के प्रभाव से छुटकारा दिला सकता है। इसे बनाने और लगाने का तरीका- सबसे पहले एक आम और एवोकाडो को धोकर छिलें, फिर इनके गुदे को एक ब्लेंडर पर डालकर ब्लेंड करें। इसके बाद इस मिश्रण को एक कटोरी में थोड़े से नारियल के तेल के साथ मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर कुछ मिनट मलें। 15-2० मिनट के बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

अगर आपके चेहरे पर सनटैन की समस्या हो गई है तो इससे राहत पाने के लिए आम और बेसन का फेस पैक लगाएं। इसे बनाने और लगाने का तरीका- सबसे पहले एक कटोरी में एक बड़ी चम्मच आम का गूदा, दो बड़ी चम्मच बेसन, दो बड़ी चम्मच पिसे हुए बादाम और एक छोटी चम्मच शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें, फिर ठंडे पानी से चेहरे को धो लें।

यह फेस पैक त्वचा का अतिरिक्त तेल सोखकर कील-मुंहासों से छुटकारा दिला सकता है। इसे बनाने और लगाने का तरीका- सबसे पहले एक कटोरी में दो बड़ी चम्मच आम का गूदा, एक चम्मच शहद और नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाएं। अब इस मिश्रण को साफ चेहरे पर लगाएं और 15 से 2० मिनट के बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। अंत में चेहरे पर जेल बेस्ड मॉइश्चराइजर लगाएं।

शब्द सामर्थ्य - 75

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

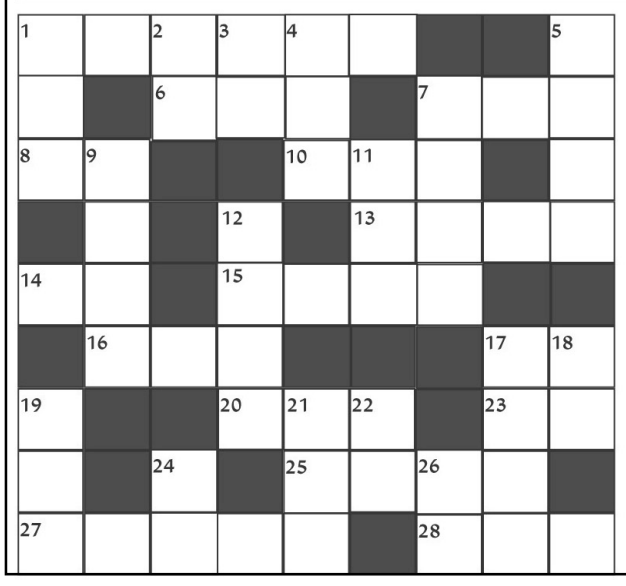

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 74 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

ऋषि कपूर की आखिरी फिल्म को लेकर रणबीर ने शेयर किया दिल को छू लेने वाला संदेश

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर ने हाल ही में अपने पिता दिवंगत ऋषि कपूर की आगामी फिल्म शर्माजी नमकीन के संबंध में अपने प्रशंसकों के लिए एक दिल छू लेने वाला संदेश शेयर किया है। यह फिल्म ऋषि कपूर की आखिरी फिल्म है और रणबीर ने स्पेशल वीडियो के माध्यम से अपने प्रशंसकों के साथ बात करने के लिए कुछ समय निकाला और इस बारे में बात की कि यह फिल्म उनके पिता के दिल के बहुत करीब है। एक वीडियो में रणबीर ने खुलासा किया कि कैसे उनके पिता, जो जीवन और सकारात्मकता से भरे हुए थे, उनकी तबीयत बिगड़ने के बावजूद हर कीमत पर फिल्म को पूरा करना चाहते थे। अभिनेता ने वीडियो में कहा कि ऋषि कपूर के दुर्भाग्यपूर्ण निधन के बाद फिल्म के निर्माताओं ने वीएफएक्स ट्राइ किया और बिना किसी लुक के रणबीर को प्रोस्थेटिक्स के जरिए फिल्म को पूरा करने की कोशिश की, लेकिन ऐसा न हो सका। यह अनुभवी अभिनेता परेश रावल थे, जिन्होंने ऋषि कपूर के आखिरी परफॉर्मेंस को एक निष्कर्ष तक पहुंचाया और इसके लिए रणबीर कपूर उनके हमेशा आभारी रहेंगे। वीडियो में रणबीर अपने पिता के एक डायलॉग का जिक्र करते हुए कहते हैं, आपने सुना होगा कि द शो मस्ट गो ऑन, लेकिन मैंने पापा को अपनी जिदंगी जीते देखा है। शर्माजी नमकीन हमेशा मेरे पिता की सबसे प्यारी यादों में से एक रहेगी। यह कुछ ऐसी फिल्म है जो उनके फैंस के चेहरे पर मुस्कान लाएगी। उन्होंने दर्शकों से फिल्म के लिए अपने प्यार की बौछार करने का आग्रह किया, जैसे उन्होंने हमेशा ऋषि कपूर के लिए किया और उनसे गुरुवार को रिलीज होने वाले फिल्म के ट्रेलर को देखने का अनुरोध किया। शर्माजी नमकीन रिटायर हुए एक व्यक्ति के जीवन पर आधारित है, जिसे एक धमा-चौकड़ी मचाने वाले महिलाओं के किटी सर्कल में शामिल होने के बाद समझ आता है कि उसमें कुकिंग करने का कितना जुनून है। हितेश भाटिया द्वारा निर्देशित फिल्म में दिवंगत ऋषि कपूर और परेश रावल हैं।

तब्बू ने शुरु की अपनी फिल्म खूफिया की शूटिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस तब्बू के पास इस समय कई फिल्में हैं। अभी हाल ही में उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म भूल भुलैया 2 की शूटिंग पूरी की थी और अब खबरें आ रहीं हैं कि उन्होंने अपनी एक और फिल्म खूफिया की शूटिंग शुरू कर दी है। तब्बू ने सोशल मीडिया पर क्लैपबोर्ड शेयर कर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने फिल्म के क्लैपबोर्ड की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, सखूफिया और साथ ही फिल्म के डायरेक्टर विशाल भारद्वाज को टैग भी किया है। तब्बू की यह फिल्म एक थ्रिलर फिल्म है जिसमें उनके अलावा अली फजल, वामिका गब्बी और आशीष विद्यार्थी भी मुख्य भूमिका में है। बता दे कि इस फिल्म की कहानी अमर भूषण द्वारा की जासूसी उपन्यास एस्केप टू नोवर पर आधारित है। विशाल भारद्वाज इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं, जो कि नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जाएगी। खास बात तो यह है कि इसके जरिए विशाल डिजिटल की दुनिया में अपना पहला कदम रख रहे हैं। उम्मीद है कि यह फिल्म इसी साल रिलीज होगी।

टाइगर श्रॉफ की हीरोपंती 2 का नया पोस्टर जारी

टाइगर श्रॉफ अभिनीत फिल्म हीरोपंती 2 के निर्माताओं ने फिल्म का एक नया पोस्टर जारी किया। यह फिल्म 2014 की रोमांटिक एक्शन फिल्म का सीक्वल है जिसमें टाइगर को कृति सनोन के साथ उनकी पहली भूमिका में देखा गया था। पोस्टर में टाइगर श्रॉफ के बबलू के किरदार को बंदूकों के साथ दिखाया गया है। उनका चरित्र ऐसी मुश्किल स्थिति में भी शांत और रचित लगता है। इस फिल्म का निर्देशन अहमद खान ने किया है। साजिद नाडियाडवाला ने फिल्म को पड्यूस किया है, जो इससे पहले टाइगर के साथ बागी 2 और बागी 3 जैसी हिट फिल्में दे चुके हैं। इस बार ब्लॉकबस्टर के सीक्वल को बड़े बजट में बनाया गया है और टाइगर ने इसमें बहुत सारे एक्शन सीन किए हैं। इस फिल्म को रजत अरोड़ा ने लिखा है। फिल्म में ग्रैमी पुरस्कार विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान का संगीत है और यह 29 अप्रैल को ईद के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अली फजल ने कंधार के सेट से जेरार्ड बटलर के साथ शेयर की फोटो

बॉलीवुड अभिनेता अली फजल एक हॉलीवुड प्रोजेक्ट कंधार में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ जेरार्ड बटलर ने भी काम किया हैं। अली फजल ने सेट से जेरार्ड बटलर के साथ एक फोटो साझा की है। फोटो में अली, बटलर और फिल्म के अन्य क्रू मेंबर्स भी पोज देते हुए दिखाई दिए। फिल्म का शूट शेड्यूल हाल ही में सऊदी अरब के अल उला में पूरा हुआ। जॉन विक फेम थंडर रोड फिल्म्स और कैपस्टोन ग्रुप कंधार द्वारा निर्देशित, की शूटिंग दिसंबर में सऊदी अरब अल-उला में शुरू हुई थी। ये फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है। इसमें अफगानिस्तान में डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी में एक पूर्व सैन्य खुफिया अधिकारी के अनुभवों के जीवन से प्रेरणा ली गई है। अली और निर्देशक रिक रोमन वॉ के बीच कंधार पहला प्रोजेक्ट है, जो पहले बटलर के साथ ग्रीनलैंड और एंजेल हैज फॉलन में काम कर चुके हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो अली फिल्म निर्माता विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी फिल्म खुफिया की शूटिंग कर रहे हैं।

पृथ्वीराज की रिलीज को लेकर काफी उत्साहित है मानुषी

डेब्यूटेंट मानुषी छिल्लर इस बात से खुश हैं कि अक्षय कुमार अभिनीत उनकी पहली फिल्म पृथ्वीराज एक हफ्ते पहले रिलीज हो रही है। मानुषी कहती हैं कि जब मैंने सुना कि फिल्म की तैयारी हो रही है तो मुझे बहुत खुशी हुई।

फिल्म की पूरी टीम के लिए यह काफी लंबा इंतजार को समय रहा है। जब आप सुनते हैं कि फिल्म तय समय से पहले आ रही है, तो आपको खुशी की अनुभूति होती है। हम सभी उस पल का इंतजार कर रहे हैं जब सम्राट पृथ्वीराज की अविश्वसनीय जीवन कहानी का बड़े पर्दे पर अनावरण किया जाएगा।

पृथ्वीराज निडर और पराक्रमी राजा पृथ्वीराज चौहान के जीवन और वीरता पर आधारित है। सुपरस्टार अक्षय उस महान योद्धा की भूमिका निभा रहे हैं।

मानुषी फिल्म में अक्षय के साथ पृथ्वीराज की प्यारी राजकुमारी संयोगिता के रूप में नजर आएंगी।

वह आगे कहती हैं कि यह एक बड़े परदे पर रिलीज होने वाली फिल्म है और मैं इसकी रिलीज के लिए दिन गिन रही हूं। महामारी के कारण फिल्म को दो बार आगे बढ़ाया गया था।

पृथ्वीराज का निर्देशन पद्म श्री डॉ चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने किया है, जिन्होंने भारत के सबसे प्रभावशाली राजनीतिक रणनीतिकार और कई पुरस्कार विजेता फिल्म पिंजर के जीवन और समय पर आधारित टेलीविजन महाकाव्य चाणक्य का निर्देशन किया था।

पृथ्वीराज अब दुनिया भर में 3 जून को हिंदी, तमिल और तेलुगु में और आईमैक्स में 10 जून के बजाय यशराज फिल्म्स की योजना के अनुसार रिलीज होगी।

शैडो बॉक्सिंग दुनिया में मेरी सबसे पसंदीदा चीज : रितिका सिंह

अभिनेत्री रितिका सिंह का कहना है कि शैडो बॉक्सिंग उनकी दुनिया में सबसे पसंदीदा चीज है। इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री ने अपने प्रशिक्षण का एक वीडियो पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इरुधि सुत्रु में एक मुक्केबाज के रूप में अपनी भूमिका के लिए सुर्खियां बटोरीं, जिसमें माधवन भी मुख्य भूमिका में थे।

इसके बाद उन्होंने लिखा, शैडो बॉक्सिंग दुनिया में मेरी सबसे पसंदीदा चीज है! मैं इसे कसरत के रूप में भी नहीं देखती, लेकिन यह उस पर अविश्वसनीय है।

उन्होंने आगे कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितनी बार एक किक या एक बुनियादी पंच का अभ्यास करते हैं, यह कभी भी पर्याप्त नहीं होता है! आप केवल बेहतर होते जाते हैं और अपने कौशल सेट को बेहतर बनाने के नए तरीके खोजना शुरू करते हैं।

जैसा कि महानतम ब्रूस ली ने कहा था, मैं उस आदमी से नहीं डरता जिसने एक बार 10,000 किक का अभ्यास किया है, लेकिन मैं उस आदमी से डरता हूं जिसने 1 किक का अभ्यास 10,000 बार किया है।

रितिका सिंह एक भारतीय अभिनेत्री व मिश्रित मार्शल कलाकार है, जों तमिल फिल्मो में मुख्य रूप से दिखाई देते हैं व साथ ही जिन्होंने हिन्दू और तेलुगु फिल्मो में भी काम किया है। 2009 में एशियाई खेलो में भारत के लिए खेलने के बाद उन्होंने सुपर फाइट लीग में भाग लिया उसके बाद सुधा कोंगरा प्रसाद की तमिल फिल्म इरुदी सुर्तूरू (हिंदी में साला खडूस) में आर माधवन के साथ प्रमुख भूमिका निभाई। अपने पिता के मार्गदर्शन में रितिका सिंह ने किक बॉक्सिंग व मिश्रित मार्शल कलाकार के रूप में प्रशिक्षण लिया। किकबॉक्सर के रूप में 2009 के एशियाई खेलों में 52 किलो वर्ग वाली प्रतियोगिता में भाग लेके उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की। बाद में वह सुपर फाइट लीग के उद्घाटन सत्र में दिखाई दी और उन्होंने एक मिश्रित मार्शल कलाकार के रूप में भी काम किया।

मिलाप जावेरी की फिल्म में दिखेंगे अभिनेता मीजान जाफरी

मशहूर अभिनेता जावेद जाफरी के बेटे मीजान जाफरी को भला कौन नहीं जानता। वह आखिरी बार प्रियदर्शन की फिल्म हंगामा 2 में नजर आए थे। फिल्म कमाल नहीं कर पाई और मीजान भी अपने अभिनय की छाप नहीं छोड़ पाए। अब जानकारी सामने आ रही है कि वह चर्चित फिल्ममेकर मिलाप जावेरी की अगली फिल्म में नजर आएंगे। उम्मीद है कि इस फिल्म के जरिए वह खुद को साबित कर पाएंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, मीजान के खाते में फिल्ममेकर मिलाप की अगली फिल्म जुड़ गई है। एक करीबी सूत्र ने बताया, मीजान मिलाप और निखिल आडवाणी की हिट जोड़ी के साथ काम करने को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्हें इस फिल्म की स्क्रिप्ट पसंद आई और वह एक अनदेखा अवतार में नजर आने वाले हैं। बातचीत लगभग पक्की हो गई है और टीम जल्द ही एक आधिकारिक घोषणा करेगी।

ऐसी संभावना जताई जा रही है कि मिलाप निखिल के साथ एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म के लिए हाथ मिलाएंगे। इस फिल्म में हीरो के रूप में मीजान को चुना जाएगा। अब इस फिल्म की हीरोइन कौन होगी, इसको लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। मिलाप और निखिल की जोड़ी ने हाल में सत्यमेव जयते 2 में काम किया था। फिल्म पिछले साल रिलीज हुई थी, जिसमें जॉन अब्राहम और दिव्या खोसला कुमार नजर आए थे।

सत्यमेव जयते 2 के अलावा निखिल और मिलाप के निर्माता-निर्देशक की जोड़ी ने अतीत में सत्यमेव जयते और जाने कहां से आई है जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। उम्मीद है कि उनकी अगली फिल्म सफल साबित होगी।

मीजान ने निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म मलाल से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। उन्होंने 2018 में आई फिल्म पद्मावत में असिस्टेंट डायरेक्टर की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिका में थीं। मीजान की निजी जिंदगी की बात करें तो वह अभिषेक बच्चन की भांजी नव्या नवेली नंदा के साथ अपने खास रिश्ते को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। हालांकि, वह नव्या को अपना अच्छा दोस्त बताते हैं।

ऑटो के बाद कुंभकोणम का सुशासन चलाएंगे सरवनन

अरुण नैथानी

पिछले दिनों जब लगभग एक दशक तक ऑटो चलाकर जीवनयापन करने वाले के. सरवनन तमिलनाडु के तंजावुर जनपद स्थित कुंभकोणम निगम के मेयर पद की शपथ लेने गये, तो वे समारोह में उसी ऑटो रिक्शा से पहुंचे, जो उनकी जीविका का साधन है। उन्होंने लोगों को यह संदेश भी देने की कोशिश की कि दुनिया में कोई काम छोटा-बड़ा नहीं होता। लोगों को बताया कि यही उनका जीवन यापन का जरिया भी रहा है। यही वजह है कि शपथ ग्रहण समारोह में ऑटो से जाने में उन्होंने कोई संकोच भी नहीं किया। दरअसल, कुंभकोणम नगरपालिका पहली बार नगर निगम बना है, जिसके पहले महापौर बनने का श्रेय के. सरवनन को मिला है। यह भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती कही जा सकती है कि किसी भी व्यवसाय को करने वाला कोई भी सामान्य व्यक्ति उच्च पद पर आसीन हो सकता है।

दरअसल, के. सरवनन का परिवार मेहनत व ईमानदारी से जीवन यापन करने में विश्वास करता रहा है। जब वे छोटे ही थे तो उनके सिर से माता-पिता का साया उठ गया। उसके बाद तो उनके दादा-दादी ने ही उनका भरण-पोषण किया। घर के हालात के चलते वे ज्यादा लिख-पढ़ भी नहीं पाये। भले ही के. सरवनन कुंभकोणम महापालिका के पहले निगम के पहले महापौर के रूप में चुने गये हों, लेकिन स्थानीय निकायों के जरिये सेवा करने का अनुभव उन्हें विरासत में मिला है। उनके दादा पहले नगरपालिका के सदस्य रह चुके हैं। वे पुराने कांग्रेसी थे। वैसे के. सरवनन भी कांग्रेस में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। दरअसल, हाल में हुए स्थानीय निकाय के चुनाव में 21 निगमों में से 2० के लिये डीएमके ने अपने मेयर नामित किये। जबकि कुंभकोणम महापालिका का पद सहयोगी राजनीतिक दल कांग्रेस के लिये छोड़ दिया। लेकिन इस बाबत कांग्रेस पार्टी की राज्य इकाई ने भी रचनात्मक पहल की। पार्टी के कई वरिष्ठ, धनाढ्य व प्रभावशाली नेता इस पद के लिये दावेदारी जता रहे थे। मगर पार्टी ने एक ऑटो रिक्शा चालक को इस पद के लिये मौका दिया। पार्टी के इस निर्णय को सुनकर के. सरवनन भी खासे अचंभित हुए। इस तरह सरवनन ने इतिहास रचा क्योंकि वे कुंभकोणम के इतिहास में पहले महापौर बन गये हैं, जिसे हाल ही में निगम का दर्जा दिया गया था।

दरअसल, के. सरवनन ने हाल ही में संपन्न नगर निगम चुनाव में कुंभकोणम के वार्ड नंबर 17 से चुनाव लड़ा था। उन्हें 21०० वोटों में से आधे के करीब 964 वोट मिले। उल्लेखनीय है कि 2० दिसंबर 2०21 में कुंभकोणम नगर पालिका को नगर निगम का दर्जा दिया गया। इसके चलते कुंभकोणम शहर के 48 वार्डों में चुनाव हुए थे जिसमें 42 वार्डों में डीएमके ने जीत हासिल की थी।

बहरहाल, कमजोर आर्थिक वर्ग के के. सरवनन का जीतना इस बात का प्रमाण है कि राजनीति में मेहनकश, ईमानदार व आम लोगों की चुनाव लड़ने की गुंजाइश बनी हुई है। समाज के विभिन्न संगठनों व उनके राजनीतिक दल कांग्रेस के प्रमुख नेताओं ने के. सरवनन की सफलता पर बधाई दी है। यह इसलिये भी महत्वपूर्ण है कि वे ऑटो रिक्शा चालक होते हुए इस मुकाम पर पहुंचे हैं। भले ही उनके परिवार की राजनीतिक पृष्ठभूमि रही है, लेकिन के. सरवनन ने अपनी जमीन खुद तैयार की है। वे पिछले कुछ सालों से शहर कांग्रेस के उपाध्यक्ष रहे हैं। वह बात अलग है कि वे दादा टी. कुमार सामी से प्रभावित होकर कांग्रेस में शामिल हुए थे जो वर्ष 1976 में कुंभकोणम नगरपालिका के सदस्य रह चुके थे। लेकिन लंबे समय तक लोक सेवा से जुड़े के. सरवनन ने सहजता, सरलता व लोकसेवा के चलते अपनी जमीन खुद तैयार की।

बहरहाल, दो दशक तक ऑटो चलाने वाले के. सरवनन अब एक शहर को चलाएंगे। पूरे शहर का प्रबंधन उनके हाथ में होगा। कभी के. सरवनन पुलिस में अधिकारी होने का सपना देखते थे, लेकिन पारिवारिक हालात के चलते ऐसा संभव नहीं हो पाया। शायद नियति ने महापौर का प्रतिष्ठित पद उनके नाम लिखा था। निस्संदेह यह लंबे समय तक कुंभकोणम शहर के सामाजिक व राजनीतिक जीवन में सक्रिय होने का परिणाम ही है। उन्होंने ऑटो चलाने के साथ-साथ अपने राजनीतिक जीवन को आकार दिया। के. सरवनन आज भी अपनी पत्नी व तीन बच्चों के साथ एक किराये के मकान में रहते हैं। उनके पास महज साढ़े चार लाख की संपत्ति है। उनकी पत्नी के पास भी पच्चीस हजार रुपये की रकम है। बहरहाल सरवनन की कामयाबी बताती है यदि व्यक्ति में दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो वह अपने सपनों को हकीकत में जरूर बदल सकता है। यही वजह है कि इस उपलब्धि के बाद भी ऑटो रिक्शा से चलकर शपथ ग्रहण के लिये पहुंचने वाले सरवनन ने यह संदेश देना चाहा कि वे अभी आम लोगों जैसे ही हैं।

कांग्रेस और जी-हुजूर-23

वेद प्रताप वैदिक

पांच राज्यों के चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस की कार्यसमिति की बैठक में वही हुआ, जो पहले भी हुआ करता था। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि यदि पार्टी कहे तो हम तीनों (माँ, बेटा और बेटी) इस्तीफा देने को तैयार हैं। पांच घंटे तक चली इस बैठक में एक भी कांग्रेसी की हिम्मत नहीं पड़ी कि वह नेतृत्व-परिवर्तन की बात खुलकर कहता। जो जी-23 समूह कहलाता है, जिस समूह ने कांग्रेस के पुनरोद्धार के लिए आवाज बुलंद की थी, उसके कई मुखर सदस्य भी इस बैठक में मौजूद थे लेकिन जी-23 अब जी-हुजूर-23 ही सिद्ध हुए।

उनमें से एक आदमी की भी हिम्मत नहीं पड़ी कि वह कांग्रेस के नए नेतृत्व की बात छेड़ता। सोनिया गांधी का रवैया तो प्रशंसनीय है ही और उनके बेटे राहुल गांधी को मैं दाद देता हूं कि उन्होंने कांग्रेस-अध्यक्ष पद छोड़ दिया लेकिन मुझे कांग्रेसियों पर तरस आता है कि उनमें से एक भी नेता ऐसा नहीं निकला, जो खम ठोककर मैदान में कूद जाता। वह कैसे कूदे? पिछले 5०-55 साल में कांग्रेस कोई राजनीतिक पार्टी नहीं रह गई है। वह पोलिटिकल पार्टी की जगह प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बन गई है।

उसमें कई अत्यंत सुयोग्य, प्रभावशाली और लोकप्रिय नेता अब भी हैं लेकिन वे नेशनल कांग्रेस (एनसी) याने 'नौकर-चाकर कांग्रेस' बन गए हैं। मालिक कुर्सी खाली करने को तैयार हैं लेकिन नौकरों की हिम्मत नहीं पड़ रही है कि वे उस पर बैठ जाएं। उन्हें दरी पर बैठे रहने की लत पड़ गई है। यदि कांग्रेस का नेतृत्व लंगड़ा हो चुका है तो उसके कार्यकर्ता लकवाग्रस्त हो चुके हैं। कांग्रेस की यह बीमारी हमारे लोकतंत्र की महामारी बन गई है। देश की लगभग सभी पार्टियां इस महामारी की शिकार हो चुकी हैं।

भारतीय मतदाताओं के 5० प्रतिशत से भी ज्यादा वोट प्रांतीय पार्टियों को जाते हैं। ये सब पार्टियां पारिवारिक बन गई हैं। कांग्रेस चाहे तो आज भी देश के लोकतंत्र में जान फूंक सकती है। देश का एक भी जिला ऐसा नहीं है, जिसमें कांग्रेस विद्यमान न हो। देश की विधानसभाओं में आज भाजपा के यदि 1373 सदस्य हैं तो कांग्रेस के 692 सदस्य हैं। लेकिन पिछले साढ़े छह साल में कांग्रेस 49 चुनावों में से 39 चुनाव हार चुकी है। उसके पास नेता और नीति, दोनों का अभाव है।

मोदी सरकार की नीतियों की उल्टी-सीधी आलोचना ही उसका एक मात्र धंधा रह गया है। उसके पास भारत को महासंपन्न और महाशक्तिशाली बनाने का कोई वैकल्पिक नक्शा भी नहीं है। कांग्रेस अब पचमढ़ी की तरह नया 'चिंतन-शिविर' करनेवाली है। उसे अब चिंतन शिविर नहीं, चिंता शिविर करने की जरुरत है। यदि कांग्रेस का ब्रेक फेल हो गया तो भारतीय लोकतंत्र की गाड़ी कहां जाकर टकराएगी, कुछ नहीं कहा जा सकता।

सू- दोकू क्र. 75

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र74 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

रूस हारेगा!

हरिशंकर व्यास

महाबली रूस हार रहा है। वह यूक्रेन में हारेगा। वह कितना ही विनाश करे, यूक्रेन पर उसका कब्जा नहीं होगा। दुनिया की नंबर दो महाशक्ति के सैनिक अपने टैंकों, बख्तरबंद गाड़ियों में जान बचाते हुए हैं। ये सैनिक अंधाधुंध गोलाबारी करके यूक्रेन को भारी बरबाद कर रहे हैं, पर अंत नतीजा रूस और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का पतन है। असंभव नहीं जो रूस वापिस ढहे और पुतिन की दशा कज्जाफी या सद्दाम जैसी हो या सेब्रेनित्सा के करादिच व मलादिच की तरह वे अंतरराष्ट्रीय कोर्ट में नरसंहार अपराधी की तरह दिखलाई दें। वैसे पुतिन के पास वार्ता करके यूक्रेन से सेना हटा कर अपने को बचाने का विकल्प है लेकिन तानाशाह राष्ट्रपति हार मानने की फितरत लिए हुए नहीं होता। इसलिए उलटे हताशा और हार में पुतिन यूक्रेन के पड़ोसी नाटों देशों पर मिसाइल धमाके करके जंग फैला सकते हैं। अपने परमाणु हथियारों की धमकी और उपयोग से पासा बदलने का दांव चल सकते हैं।

पर दांव नहीं चलेगा। पिछले बीस दिनों में रूस की सैनिक ताकत काफी चूक चुकी है, पाबंदियों से उसकी आर्थिकी बंध गई है और दुनिया का कोई समर्थवान राष्ट्र क्योंकि पुतिन को खुला समर्थन देता हुआ नहीं है तो उनका हौसला नहीं होगा कि वे आ बैल मुझे मार में लड़ाई फैलाएं! मामूली बात नहीं है जो वैश्विक मीडिया में पुतिन द्वारा चीन से मदद मांगने और इस पर चीन के इनकार की खबर है। पुतिन को चीन का सहारा चाहिए लेकिन मदद मांगने की खबर आई नहीं की चीन ने फुर्ती से खंडन किया। जाहिर है चीन और उसके राष्ट्रपति शी जिनफिंग घबराए हुए हैं। बीस दिनों में चीन ने हर उस चर्चा व खबर का प्रतिवाद किया जो पुतिन और शी जिनफिंग का साझा बतलाने वाली थी। चीन का विदेश मंत्रालय रूस के साथ चट्टानी दोस्ती, सामरिक व सीमा और कारोबारी रिश्ते बतलाता हुआ है लेकिन ऐसी कोई खबर नहीं बनने दे रहा है, जिससे लगे कि अमेरिका-यूरोप का दिमाग ठीक करने के अपने उद्देश्यों में वह रूस का परोक्ष भी मददगार है! चौकाने वाली बात जो अमेरिका ने दो टूक शब्दों में कहा है कि हम चीन से बातचीत कर कह दे रहे हैं कि उसने रूस की मदद की तो प्रतिबंध लगेंगे। इस चेतावनी पर चीन भडका नहीं बल्कि कल ही रोम में अमेरिकी प्रतिनिधियों को समझाया कि वह रूस को कोई मदद नहीं दे रहा!

तो पुतिन मदद के लिए कहे तब भी चीन की मदद करने की हिम्मत नहीं होगी। साफ है पुतिन और रूस की मदद के लिए दुनिया में कोई उससे साझा नहीं बनाएगा। पुतिन-रूस पूरी तरह अलग-थलग, अछूत है। जैसे हिटलर का इटली और जापान से एलायंस बना था वैसा कुछ भी पुतिन नहीं बना सकते है। तब पुतिन और उनके सेनाधिकारियों को जंग और फैलाना कैसे संभव है? यह भी ध्यान रहे हिटलर का सैनिक अभियान तुरंत एक के बाद एक सफलता के साथ था। तब ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोप के देश अलग-अलग राग लिए हुए थे। उस जैसी कोई स्थिति पुतिन के लिए नहीं है। हां, भारत के मीडिया का जो मूर्खतापूर्ण नैरेटिव हुआ वैसा चीन, भारत, पाकिस्तान, ईरान, तुर्की कईयों के विदेश मंत्रालय, प्रधानमंत्रियों और विदेश मंत्रियों ने सोचा। सबने माना महाशक्ति रूस के आगे यूक्रेन और यूक्रेनी लोगों की भला क्या औकात। जेलेंस्की ने जबरदस्ती का पंगा लिया। वे नाटो देशों के बहकावे में रहे। रूस हमलावर नहीं, बल्कि जेलेंस्की जोकर!

ऐसा सोचने वालों ने कौम, नस्ल, देश के मिजाज पर नहीं विचारा। यह नहीं बूझा कि यूक्रेन के लोग तीस सालों से लगातार तानाशाह रूस से मुक्ति, आजादी की फड़फड़ाहट में पके हैं, जबकि रूस के लोग, वहां की सेना वापिस सोवियत संघ के वक्त की अधिनायकवादी तासीर में लौट बीस सालों से पुतिन के कारण बुजदिल, भयाकुल बेबसी में जीवन गुजारते हुए है। पुतिन ने तेल-गैस की कमाई से अपने दर्जन अंबानी-अडानी भले बना लिए हों, मॉस्को और महानगरों में चकाचौंध भले हुई हो और राष्ट्रवादी-देशभक्ति का प्रोपेगेंडा भी चौतरफा चला लेकिन गुलामी में घुट कर जीने वाले लोगों का मनोबल अपने आप चुपचाप भयाकुल, कायर और आश्रित, भूखा हुआ करती है तो ऐसी मनोदशा वाले रूसी सैनिक क्या व कितना लड़ सकेंगे?

सीएम धामी ने ऋतु खंडूड़ी को विधानसभा अध्यक्ष निर्वाचित होने पर बधाई दी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्रीमती ऋतु खंडूड़ी भूषण को उत्तराखंड की विधानसभा अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा की आज का दिन उत्तराखंड राज्य के लिए ऐतिहासिक दिन है। उत्तराखंड में मातृशक्ति का बहुत बड़ा योगदान है। मातृशक्ति के रूप में हमें पहली महिला स्पीकर मिली है।

ओबीसी को मिले 27 प्रतिशत आरक्षणः सचान

संवाददाता

देहरादून। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डा0 सत्यनारायण सचान ने कहा कि प्रदेश सरकार से वह मांग करते हैं कि प्रदेश में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जाये। आज यहां प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए सचान ने उत्तराखण्ड सरकार की कैबिनेट को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सरकार के गठन के बाद ही मुख्यमंत्री ने जो

सिविल कोड लागू करने का निर्णय लिया पार्टी जानना चाहती है कि इस कोड के लागू होते ही रोजगार मिल जायेगा, पलायन रूक जायेगा, पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधायें, शिक्षा की दशा ठीक हो जायेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने उत्तरखण्डवासियों कों पांच साल का अपना एजेंडा बता दिया। उलझे रहो समान सिविल कोड में। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड के पिछडे, दलितों, मजदूरों और किसानों की बेहतरी के लिए कुछ नहीं किया क्योंकि इनकी कैबिनेट में कोई किसान नही है और ना ही कोई ओबीसी है जो दलित समुदाय के मंत्री है उनकी बोलने की हैसियत नहीं है। उन्होंने कहा कि आज उत्तराखण्ड में ओबीसी की संख्या लगभग 37 प्रतिशत हो गयी है परन्तु आरक्षण वहीं 14 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि सपा का एक प्रतिनिधिमण्डल शीघ्र मुख्यमंत्री से मिलकर ओबीसी के आरक्षण को 14 प्रतिशत से बढाकर करने की मांग करेगा।

राजपुर टैक्सी चालक समिति ने किया जोशी का अभिनन्दन

संवाददाता

देहरादून। राजपुर टैक्सी चालक समिति ने गणेश जोशी के दोबारा कैबिनेट मंत्री बनने पर उनका अभिनन्दन किया। आज राजपुर टैक्सी चालक समिति, मुख्य बाजार राजपुर द्वारा धामी सरकार में पुनः कैबिनेट मंत्री बनाए जाने पर गणेश जोशी का अभिनंदन किया तथा उन्हें समिति की ओर से अभिवादन-पत्र भेंट किया। राजपुर टैक्सी चालक संघ पदाधिकारियों ने कहा कि हम सभी धामी सरकार द्वारा गणेश जोशी को पुनः कैबिनेट मंत्री बनाए जाने पर प्रधानमंत्री मोदी तथा भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व और मुख्यमंत्री पुष्कर धामी का भी धन्यवाद करना चाहते हैं। क्योंकि उन्होंने जनता के बीच हर वक्त रहने वाले गणेश जोशी जैसे जमीन से जुड़े राजनेता को कैबिनेट में महत्वपूर्ण जगह दी। कोरोना काल की वैश्विक महामारी में काबीना मंत्री गणेश जोशी द्वारा हम टेक्सी चालकों की परेशानी को समझते हुए हमारे कंधे से कंधे मिलाकर अन्य जरूरतमंदों के साथ ही हम चालकों को भी जीविकोपार्जन हेतु राशन किट एवं अन्य सामग्री वितरण कर सराहनीय कार्य किया गया। इस दौरान मोहित अग्रवाल, विशाल कुल्हान, अलका कुल्हान, दीपक अरोड़ा, मनीष गोदियाल, रजनी सिंह, अजीत सिंह, जोगेन्द्र ठाकुर, गोविन्द, प्रेम, सचिन राठौर, अमित सिंह रावत आदि उपस्थित रहे।

एनएसयूआई ने फूंका यूजीसी का पुतला

संवाददाता

देहरादून। एनएसयूआई ने प्रदर्शन कर यूजीसी का पुतला दहन किया।

आज यहां एनएसयूआई कार्यकर्ता हिमांशु रावत के नेतृत्व में कांग्रेस भवन के बाहर एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर यूजीसी का पुतला दहन किया। इस अवसर पर हिमांशु रावत ने कहा कि यूजीसी द्वारा केन्द्रीय विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश परीक्षा के आधार पर छात्रों को महाविद्यालयों में प्रवेश मिलेगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड एक पहाडी राज्य है तथा पहाडों के विद्यालयों में प्राईमरी कक्षाओं से लेकर इण्टरमीडिएट तक शिक्षा का स्तर निम्न कोटि का है। शिक्षकों की पठन-पाठन में कोई रूचि नहीं है जो बच्चे उत्तीर्ण भी हो रहे है वह उनकी अपनी मेहनत है। ऐसी स्थिति में सरकारी विद्यालयों के छात्र प्रावेट स्कूलों के छात्रों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर पायेंगे तथा सरकारी स्कूलों के हर हालत में प्राईवेट स्कूलों के छात्रों से पिछड जायेंगे तथा

महाविद्यालयों में उच्च शिक्षा ग्रहण करने से वंचित रह जायेंगे। उन्होंने कहा कि यूजीसी का यह कदम केन्द्र सरकार के इशारे पर सीधे-सीधे प्राइवेट स्कूलों को फायदा पहुंचाने का है तथा गरीब छात्रों को उच्च शिक्षा से वंचित करने का है। एनएसयूआई यूजीसी के इस कदम का घोर विरोध करती है तथा यूजीसी के विरूद्ध उत्तराखण्ड में विरोध तथा उग्र आंदोलन किया जायेगा।

इस अवसर पर आकाश वर्मा, शेखर रावत, जयन्त, सिद्धार्थ, उत्कर्ष जैन, नितिन, अमन, आशीष सहित कई छात्र मौजूद थे।

भाजपा जिला इकाई की वर्चुअल बैठक आयोजित

संवाददाता

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी की जिला इकाई की वर्चुअल बैठक में प्रधानमंत्री की मन की बात प्रत्येक बूथ पर सुनी जाये इसकी रणनीति बनायी गयी।

आज यहां जिला कार्यालय में भाजपा जिला इकाई की वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष शमशेर सिंह पुंडीर ने बताया कि २७ मार्च को हर माह की भांति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'मन की बात कार्यक्रम' के माध्यम से देशवासियों से संवाद करेंगे प्रत्येक बूथ पर यह कार्यक्रम सुना जाये यह सुनिश्चित करना है। जिला अध्यक्ष ने कहा कि उत्तराखंड में भाजपा की प्रचंड जीत में केंद्र सरकार व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के साथ साथ भाजपा कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का योगदान रहा है, मन की बात कार्यक्रम के बाद, प्रदेश में भाजपा को विजय बनाने व पुनः सेवा का मौका देने के लिए कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को धन्यवाद व आभार व्यक्त करना है। बैठक में जिला महामंत्री अरुण मित्तल, सुदेश कंडवाल, जिला मीडिया प्रभारी संपूर्ण सिंह रावत जिला सोशल मीडिया प्रभारी राजेश जुगलान, मंडल अध्यक्ष विनय कंडवाल, राजेंद्र मनवाल, दिनेश सती, गणेश रावत, अमर सिंह चौहान ,अनुज गुलेरिया, मोहन पटवाल वीर सिंह चौहान ,अमित डबराल, विक्रम नेगी, मनोज काम्बोज, घनश्याम नेगी, प्रेम पुंडीर, सुभाष रावत, पंकज शर्मा, विनोद कश्यप, दिनेश कौशिक, रतन सिंह चौहान, दाताराम शर्मा ,मोनिका अग्रवाल चंद्रभान पाल, ललित पंत उत्तम रौथाण, सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

जिला पंचायत सदस्य ने उठायी मांग, बोर्ड बैठक हो दो दिन की

संवाददाता

पिथौरागढ़। जिला पंचायस सदस्य जगत मर्तोलिया ने अपर मुख्य अधिकारी से बोर्ड बैठक दो दिन की करने की मांग की।

आज यहां जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने अपर मुख्य अधिकारी को पत्र लिखकर जिला पंचायत की बोर्ड बैठक दो दिन का किए जाने की मांग की। कहां कि एक दिन की बैठक में विभागवार समीक्षा करने तथा क्षेत्र के मुद्दों को उठाने के लिए समय का अभाव हो रहा है। जिला पंचायत सदस्य मर्तोलिया ने कहा कि ढाई वर्ष के बीच जिला पंचायत की आज तक की बैठकों से यह अनुभव प्राप्त हुआ है कि बैठक दो दिवस की की जानी चाहिए। इस संदर्भ में जिला पंचायत की पूर्व हुई बैठक में भी मौखिक रूप से इस बात को जोरदार ढंग से उठाया गया था। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत की बैठक 2 दिन की होने पर क्षेत्र के प्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र की सभी समस्याओं को जिला पंचायत सदन के पटल पर उठाने का अवसर प्राप्त होगा।

इसके साथ आज तक जिला पंचायत की बैठकों में उठाए गए मुद्दों पर विभाग की कार्यप्रणाली की समीक्षा भी आसानी से की जा सकती है। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत की बैठकों को अधिकारी संवेदनशीलता के साथ नहीं ले रहे है। इससे सदन में उठने वाले सीमा क्षेत्र के प्रमुख मुद्दों का हल नहीं निकल पा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत की बैठक जिले के विकास तथा विकास कार्यों की समीक्षा के साथ आम जनता की समस्याओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। मर्तोलिया ने कहा कि आने वाले समय में जिला पंचायत की दो दिवसीय बैठक की जाए। इसके लिए जो भी खर्चा आता है उसे जिला पंचायत वहन करें। इसके लिए जिन सदस्यों की आवास की व्यवस्था नहीं है। जिला पंचायत उनके लिए आवासी एवं भोजन की व्यवस्था को उपलब्ध करा सकती है। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत की बैठकों में पारित प्रस्तावों पर विभागों की ओर से अभी तक सकारात्मक रुख प्राप्त नहीं हो रहा है। इसके लिए जिला पंचायत की सचिव तथा मुख्य विकास अधिकारी को अपनी भूमिका में आना होगा।

उन्होंने कहा कि आने वाली बैठक में आज तक उठाए गये मुद्दों पर अपर मुख्य अधिकारी से विभिन्न विभागों के लिए जारी पत्रों का समय से प्रति उत्तर तक नहीं मिल पा रहा है। इस बात से जिला पंचायत सदस्यों में नाराजगी बढ़ती जा रही है । आने वाली बैठक में सदस्यों का तीखे विरोध का नजारा देखने को मिल सकता है। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था में जिला पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका है, इससे इनको नकारा नहीं जा सकता है

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

आज फिर बढ़े पेट्रोल और डीजल के दाम

नई दिल्ली । सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल–डीजल के नए रेट जारी कर दी हैं। आज शनिवार को एक बार फिर पेट्रोल और डीजल के दाम में बढ़ोतरी देखी गई है। पेट्रोल–डीजल की कीमतों में आज २६ मार्च शनिवार को दिल्ली समेत अधिकतर शहरों में ७०–८० पैसे की बढ़ोतरी की गई है। पेट्रोल आज ७० पैसे महंगा हुआ, वहीं डीजल ८० पैसे प्रति लीटर तक महंगा हुआ है। बता दें कि पिछले पांच दिनों में यह चौथी बढ़ोतरी है। तेल कंपनियों

ने २२ मार्च (२४ मार्च को छोड़कर) से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी जारी रखी है। इस तरह पांच दिन में पेट्रोल और डीजल की कीमत में ३.१० रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी के बाद आज देश की राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत ९८.६१ रुपये हो गई है, जबकि डीजल की कीमत ८९.८७ रुपये है। वहीं मुंबई में पेट्रोल ८४ पैसा महंगा होकर ११३.३५ रुपये प्रति लीटर की दर से बिक रहा है, जबकि डीजल ९७.५५ रुपये पर है। वहीं, कोलकाता में आज पेट्रोल ८३ पैसा महंगा हुआ है और यह ६१०७.१८ से बढ़कर १०८.०१ रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। कोलकाता में डीजल ९३.०१ रुपये प्रति लीटर के हिसाब से बिक करा है। चेन्नई की बात करें तो यहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत में आज ७६ पैसे की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

राजा करे महल की तैयारी, प्रजा बेचारी महंगाई की मारीः राहुल गांधी

नई दिल्ली । देशभर में आसमान छू रही महंगाई को देखते हुए अब कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने ट्वीट कर सरकार पर तंज कसते हुए लिखा कि राजा करे महल की तैयारी, प्रजा बेचारी महंगाई की मारी। इसके साथ ही उन्होंने मीडिया के कुछ ट्वीट को उद्धृत किया है जिनमें कहा गया है कि पेट्रोल डीजल की कीमतें आउट ऑफ कंट्रोल हो गई है और पांच दिन में इनकी दर ३.२० रुपये प्रति लीटर बढ़ी है जबकि घरेलू सिलेंडर गैस की कीमत ५० रुपये तक महंगी हो गई है।

इससे पहले राहुल ने शनिवार को आगाह किया कि महंगाई अभी और बढ़ेगी, इसके साथ ही उन्होंने सरकार से देश की जनता को महंगाई से बचाने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया था। बता दें कि इससे पहले राहुल गांधी ने पांच राज्यों में पार्टी की करारी हार के बाद भी बीजेपी पर कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा था। राहुल गांधी ने तब एफडी, पीपीएफ, ईपीएफ और महंगाई से जुड़े आंकड़े ट्वीट करते हुए पूछा था कि क्या सरकार की जिम्मेदारी जनता को राहत देने की नहीं है।

उत्तर प्रदेश के सभी मदरसों में राष्ट्रगान हुआ अनिवार्य

लखनऊ । योगी आदित्यनाथ के शपथ ग्रहण से पहले ही प्रदेश के मदरसा शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने व भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए मदरसा बोर्ड ने कई सख्त कदम उठाए हैं। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद की बैठक में इस क्रम में कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। नए सत्र से अब प्रदेश के सभी अनुदानित और गैर अनुदानित मदरसों में दुआ के साथ राष्ट्रगान (जन–गण–मन) का गायन अनिवार्य किया गया है। छात्र और

शिक्षक साथ मिलकर राष्ट्रगान गाएंगे। परिषद ने गुरुवार को अपनी बैठक में मदरसा शिक्षा के सुधार को लेकर कई अहम फैसले लिए। शिक्षकों की उपस्थिति समयानुसार सुनिश्चित करने के लिए बायोमैट्रिक सिस्टम लागू किया जाएगा। इतना ही नहीं मदरसों में छात्रों की संख्या कम होने पर अन्य मदरसों में शिक्षकों का समायोजन किया जाएगा। बैठक में मुंशी–मौलवी, आलिम, कामिल और फाजिल की परीक्षाएं १४ से २७ मई के बीच कराने का भी निर्णय लिया गया। २० मई के बाद माध्यमिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में गर्मी की छुट्टियों और यूपी बोर्ड उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन की वजह कॉलेजों के खाली न होने पर मदरसा बोर्ड की परीक्षाएं मदरसों में कराई जाएगी। यह निर्णय गुरुवार मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष इफ्तिखार अहमद जावेद की अध्यक्षता में बैठक में लिया गया।

क्या नेता विपक्ष विहीन होगा पहला सत्र

विशेष संवाददाता

देहरादून। भाजपा ने भले ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के चुनाव हारने के बाद उन्हें दोबारा मुख्यमंत्री चुनकर मसले को सुलझा लिया और सरकार गठन की प्रक्रिया में आगे बढ़ गई, लेकिन विपक्ष कांग्रेस नेता विपक्ष के चुनाव को लेकर उलझी हुई है। 29 मार्च से विधानसभा का पहला सत्र शुरू होने जा रहा है लेकिन कांग्रेस अब तक नेता विपक्ष का चयन नहीं कर सकी है। जिससे ऐसी संभावना प्रतीत हो रही है कि विधानसभा का पहला सत्र बिना नेता विपक्ष के ही हो।

पूर्व नेता विपक्ष प्रीतम सिंह जो चकराता से फिर चुनाव जीत कर आए हैं इस पद के लिए सबसे प्रबल दावेदार हैं। लेकिन कांग्रेस में जिस तरह की अंदरूनी राजनीति हावी है उसके मद्देनजर इस बात की कोई संभावना नहीं दिख रही है कि कांग्रेस के चुने हुए विधायक

❑नेता विपक्ष के चुनाव में उलझी कांग्रेस

सर्वसम्मति से किसी एक नाम पर अपनी सहमति बना पाएंगे। चुनाव परिणाम आने के बाद ही यह साफ हो चुका था कि कांग्रेस में अब नेता विपक्ष को लेकर भी घमासान और खींचतान होना निश्चित है। धारचूला विधायक धामी द्वारा चुनाव परिणाम आने के बाद से अपने आप को इस पद के लिए उपयुक्त बताया जा रहा था। उनका कहना था कि वह क्या जिंदगी भर विधायक ही बने रहेंगे उन्हें भी कांग्रेस को आगे बढ़ने का मौका देना चाहिए वह भी चार बार के विधायक है। हरीश धामी ने तो यहां तक कह डाला था कि अगर वह नेता विपक्ष नहीं बनाए जाते हैं तो उन्हें कुछ और ही सोचना पड़ेगा।

दरअसल यह लड़ाई पार्टी की अंदरूनी लड़ाई है। पूर्व सीएम हरीश रावत भले ही चुनाव हारने के बाद हाशिए पर आ गए हो लेकिन वह और उनके समर्थक हार मानने को तैयार नहीं हैं पहले भावी मुख्यमंत्री की लड़ाई थी और यह लड़ाई अब नेता विपक्ष को लेकर हो रही है। आज कांग्रेस भवन में इस पर कांग्रेसियों का मंथन भी हुआ है लेकिन निष्कर्ष कुछ नहीं निकल सका है। पूर्व नेता विपक्ष प्रीतम सिंह का कहना है कि इसका फैसला हाईकमान को ही करना है जो हाईकमान करेंगे वह सभी को मान्य होगा। उधर यशपाल आर्य का कहना है कि जल्द नेता विपक्ष का चयन कर लिया जाएगा।

फौजी बनकर कौचिंग सेंटर संचालक से ठगे एक लाख

संवाददाता

देहरादून। फौजी बनकर अपने बच्चों को पढाने का झांसा देकर कौचिंग सेन्टर संचालक से एक लाख रूपये ठग लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टर्नर रोड निवासी ऋचा व संजीव कुमार ने साईबर थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि वह अपने घर पर बच्चों के लिए। एबीएसीयूएस (अबेकस) कक्षाएं लेता हूं। उसने बताया कि 11 मार्च, 22 को मुझे शाम को एक व्यक्ति का फोन आया और उसने कहा कि वह साहिल कुमार है और भारतीय सेना में कार्यरत है। उसने बताया कि वह अपने दो बच्चों को अबेकस की कक्षाओं में दाखिला दिलाना चाहता है। उसने कहा कि वह अभी प्रवेश चाहता है और इसके लिए तत्काल शुल्क स्थानांतरित करना चाहता है। उन्होंने कहा कि सेना के नियम के अनुसार आपको पहले मोमी ट्रांसफर करनी होगी और फिर डबल अमाउंट आपके अकाउंट में क्रेडिट हो जाएगा। एक फौजी होने के नाते, मैंने उस पर विश्वास किया और 4500 रूपये पहले की राशि का हस्तांतरण किया। फिर उन्होंने कहा कि कुछ नेटवर्क समस्या है, कृपया फिर से स्थानांतरण करें। और इस तरह एक-एक करके उसने उसके खाते में कुल एक लाख छह हजार रूपये ट्रांसफर किए और फिर महसूस किया कि कुछ गलत हो रहा है। मेरे एक जानने वाले फौजी से परामर्श किया तो उन्होंने कहा कि सेना में धन हस्तांतरण की ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है और किसी ने आपको मूर्ख बनाया है। तब मुझे एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधडी हुई है। साईबर थाने के आदेश पर क्लेमनटाउन थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जब चौराहे पार्किंग बन जाए तो राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था कैसे सुधरेगी।

बंशीधर भगत को मंत्री बनाये जाने को प्रीतम ने की पैरवी

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में विधानसभा अध्यक्ष के निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान निवर्तमान नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह ने बंशीधर भगत को मंत्री बनाए जाने की पैरवी की गयी।

उत्तराखंड में रितु खंडूरी पहली महिला अध्यक्ष बनी है, जब विधानसभा में अध्यक्ष की निर्वाचन प्रक्रिया चल रही थी उस समय सभी विधायक एक-एक करके अपने अनुभव व सरकार और नए अध्यक्ष के प्रति अपनी अपेक्षाएं व्यक्त कर रहे थे। उस समय निवर्तमान नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह ने बंशीधर भगत की पैरवी करते हुए उन्हें मंत्री बनाए जाने की पैरवी की गयी। प्रीतम सिंह ने बंशीधर भगत के बतौर संसदीय कार्य मंत्री कार्यकाल की भी सराहना की व उनकी वाकपटुता का लोहा माना। प्रीतम सिंह ने सदन के अंदर ही अध्यक्ष व नेता सदन से यह मांग की कि बंशीधर भगत को मंत्री बनाया जाए जाना चाहिए क्योंकि अभी तीन पद रिक्त हैं ऐसे में बंशीधर भगत को मंत्री पद का दर्जा दिया जाना चाहिए।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।